ग्रामीण महिला स्वरोजगार तथा स्वयं सहायता समूहः

अरूण कुमार यादव

महिलाओं को शिक्षित करने और उनको, व्यवसाय व रोजगार से जोड़ने का निरन्तर प्रयास होता रहा है। इसमें स्वयं सहायता समूह की महत्वपूर्ण भूमिका है। जो समय–समय पर महिलाओं को व्यवसाय के लिए प्रेरणा ही नहीं देती बल्कि उन्हें ऋण उपलब्ध करा कर उनके व्यवसायिक लाभ से धीरे–धीरे ऋण की धनराशि लेती रही हैं। इस प्रकार महिलाएँ अपने स्वरोजगार द्वारा लाभ उठाकर अपने परिवार के लिए एक कर्मठ व्यक्ति बन कर सक्षम हो जाती हैं। सरकारी उपक्रमों द्वारा भी समय– समय पर महिलाओं के हित में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है जो विशेष रूप से महिलाओं को व्यवसाय से जोड़ने का कार्य करती रही हैं।